

संक्षिप्त समाचार

क्विक हील फाउंडेशन ने लॉन्च की 'साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा -अर्न एंड लर्न' पहल; बारपेटा के समुदाय को मजबूत किया

संवाददाता (दिल्ली) - क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अपनी सीएसआर इकाई- क्विक हील फाउंडेशन के माध्यम से आज असम के बारपेटा में अपनी महत्वपूर्ण साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा - अर्न एंड लर्न (साइबर सुरक्षा के लिए साइबर शिक्षा-कमायें और सीखें) पहल लॉन्च की। इस अवसर पर क्विक हील की ऑपरेशनल एक्सीलेंस की चीफ और क्विक हील फाउंडेशन की चेयरपर्सन, सुश्री अनुपमा काटकर उपस्थित थीं, जिन्होंने प्रोग्राम का उद्घाटन किया। यह बारपेटा में साइबर सुरक्षा की शिक्षा बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। स्थानीय एनजीओ, 'सृजन - एक सोच' के सहयोग से यह पहल इस क्षेत्र में 40,000 स्टूडेंट्स और 10,000 ग्रामीणों तक पहुंच बनाएगी। इसकी मदद से लोगों के बीच डिजिटल व्यवहारों पर जागरूकता फैलाने साइबर सुरक्षा के प्रति तत्परता को मजबूत करने का काम किया जाएगा। भारत में 250 सर्वाधिक पिछड़े जिलों में से एक बारपेटा को वर्ष 2006 से पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि प्रोग्राम (बीआरजीएफ) का लाभ मिल रहा है। प्राकृतिक सुन्दरता से भरा बारपेटा शहर गुवाहाटी से 98 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है और बारपेटा जिले का प्रशासनिक मुख्यालय है। साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा-अर्न एंड लर्न पहल बारपेटा में युवाओं के सर्वांगीण विकास के प्रति समर्पित है। इसका लक्ष्य युवाओं को साइबर सुरक्षा से आगे तक के कौशल से लैस करना है। इसमें व्यक्तित्व विकास, व्यावहारिक कौशल और पब्लिक स्पीकिंग सहित शिक्षा पर जोर दिया गया है। इस प्रोग्राम में इन युवाओं को विभिन्न व्यावहारिक ज्ञान का अनुभव देकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा जिससे कि वे सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों में आने वाली बाधाओं को पार करने के योग्य बन सकें। इसके अलावा, यह पहल इन युवाओं को रोजगार के भावी अवसरों के लिए तैयार करके उनके स्थानीय रोजगार बाजार और व्यापक समाज, दोनों में बहुमूल्य अंशदाता बनायेगी। आखिरकार, इससे डिजिटल युग में विकसित होने में सक्षम सुयोग्य व्यक्तियों का निर्माण होगा। इस प्रोग्राम के तहत, स्थानीय समुदाय और स्थानीय कॉलेजों के स्टूडेंट्स के बीच से कंप्यूटर साइंस की शिक्षा देने वाले लगभग 40 वालंटियर का चयन किया जाएगा। ये वालंटियर इस आकांक्षी जिले में असम साइबर वॉरियर्स के रूप में काम करेंगे और स्थानीय आबादी के बीच साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाएंगे। इन वालंटियर्स के लिए प्रशिक्षण में व्यावहारिक कौशल और सामान्य साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता पर केन्द्रित चार घंटे के ऑनलाइन स्तर शामिल हैं। इसके अलावा ऑफलाइन सत्र भी होंगे, जहाँ इन्हें व्यक्तित्व विकास, टीम निर्माण, लक्ष्य निर्धारण और पब्लिक स्पीकिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। ये साइबर वॉरियर्स स्कूल के बच्चों और समुदाय से संपर्क करेंगे और उन्हें फिशिंग स्कैम्स, साइबर धमकी, फर्जी खबरों, ऑनलाइन शॉपिंग घोटालों आदि सहित संभावित डिजिटल खतरों के बारे में स्थानीय भाषा में शिक्षा प्रदान करेंगे। इस पहल के द्वारा व्यापक साइबर सुरक्षा जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीणों के साथ उनकी सुविधा के अनुसार दिन में और रात में साइबर चौपाल का आयोजन भी किया जाएगा। इस सम्पर्क अभियान के तहत साइबर वॉरियर्स पोस्टर आदि जैसी संचार सामग्री भी तैयार करेंगे, जिनमें साइबर हमलों को रोकने के लिए स्थानीय भाषा में आसानी से समझने लायक जानकारी दी जायेगी। इन पोस्टरों को ग्राम पंचायत के कार्यालयों और सामुदायिक भीड़-भाड़ वाली दूसरी जगहों पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। साइबर वॉरियर्स प्रोग्राम के दौरान और बाद भी सम्बंधित गाँवों में चेंज एजेंट के रूप में काम करते रहेंगे। इन समर्पित साइबर वॉरियर्स को उनके शैक्षणिक खर्चों को पूरा करने में मदद के लिए स्टाइपेंड दिया जाएगा ताकि वे अपना ज्ञान और विशेषज्ञता प्रभावकारी तरीके से साझा करने में समर्थ हो सकें।